पंडित दीन दयाल उपाध्याय अन्त्योदय कृषि पुरुस्कार, २०१६

महान दार्शनिक और विचारक पंडित दीन दयाल उपाध्याय, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र का निर्माण करने और निर्धनतम लोगों के जीवन स्तर में सुधार में किये गए योगदान का सम्मान करने के लिए, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा इस वर्ष (२०१६) से पंडित दीन दयाल उपाध्याय अन्त्योदय कृषि पुरुस्कार (राष्ट्रीय एवं ज़ोनल) आरम्भ किया गया । इस पुरुस्कार का मुख्य उद्देश्य कृषि,बागवानी, पशुपालन, मछली पालन आदि क्षेत्रों में एकीकृत तथा टिकाऊ मोडल को विकसित करने हेतु सीमान्त, छोटे और भूमिहीन किसानों के योगदान को मान्यता प्रदान करना है।

इसमें राष्ट्रीय स्तर पर एक लाख रूपये का एक पुरुस्कार और पचास हज़ार रूपये के ११ ज़ोनल पुरुस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र दिए गए। राष्ट्रीय स्तर के पुरुस्कार समारोह का नियोजन भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नई दिल्ली में डॉ.त्रिलोचन महापात्र, सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक (भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्), डॉ. ए. के. सिंह, उप-महानिदेशक (प्रसार) एवं डॉ. रविन्द्र कौर, निदेशक (भा.कृ.अनु.स.) की उपस्थिति में २५ सितम्बर -२०१६ को किया गया। वर्ष २०१६ के अन्त्योदय कृषि पुरुस्कार सभी पुरुस्कार विजेताओं को सम्बंधित क्षेत्र के राजनितिक नेतृत्व , राज्य के पदाधिकारियों, वैज्ञानिकों, एवं किसानों की उपस्थिति में विभिन्न जोनों में आयोजित किये गए ।

समारोह के दौरान डॉ. जे. पी. शर्मा, संयुक्त निदेशक (प्रसार)-भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान ने पुरुस्कारों के विषय में जानकारी दी और बताया की यह पुरुस्कार ऐसे किसानों को दिया जा रहा है जिन्होंने समाज में आगे बढ़के दूसरे छोटे किसानों का हौसला बढाया एवं एक उदाहरण के रूप में सामने आये।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय अन्त्योदय कृषि पुरुस्कार से सम्मानित श्रीमती कृष्णा यादव ने भी अपने विचार साझा किये और बताया की उन्होंने पूसा संस्थान से आचार मुरब्बा बनाने की ट्रेनिंग ले कर किस प्रकार अपने जीवन में बदलाव लाया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार उन्होंने 5-किलोग्राम आचार से शुरुआत की, जो आज एक बड़ी कंपनी के रूप में स्थापित है। ये अब अन्य महिलाओं को भी ट्रेनिंग देती हैं, जिससे उनके जीवन स्तर में भी सुधार आया है ।

भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान की निदेशक डॉ.रविन्द्र कौर ने कृषि के क्षेत्र में आ रही विभिन्न बाधाओं जैसे कि जलवायु-परिवर्तन, लागत मूल्य में बढ़ोत्तरी आदि के ऊपर प्रकाश डालते हुए बताया कि यदि कृषि में उन्नति लानी है तो इसमें ढांचागत सुधार लाना होगा व एकीकृत-खेती के साथ खाद्य-

प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन तकनीकों को भी अपनाना होगा ताकि बड़े किसानों के साथ-साथ छोटे किसानों का भी भला हो पाए व सरकार को भी सकल घरेलु उत्पाद को बढ़ाने में मदद मिले।

डॉ. ए. के सिंह, उप-महानिदेशक (प्रसार) ने भी सभा में उपस्थित किसानों को विभिन्न पुरुस्कारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया की पंडित दीनदयाल जी की अवधारणा थी की सबको साथ लेके चला जाये एवं सबका विकास हो। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष २०२२ तक २४-लाख स्किल एक्सपर्ट्स की आवशयकता होगी, जो स्किल इंडिया मिशन के तहत प्रशिक्षण दे सकेंगे, उन्होंने यह भी बताया कि इसकी शुरुआत के लिए १००-कृषि विज्ञानं केंद्र द्वारा सर्टिफिकेशन कोर्स भी उपलब्ध करवाए जाएँगे।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव (डेयर) एवं महानिदेशक-भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् ने सभा में उपस्थित लोगों को बताया की यह पुरुस्कार वितरण समारोह एक महत्वपूर्ण सम्मलेन है जिसमे ऐसे किसानों को पुरुस्कृत किया जा रहा है जो अंतिम पंक्ति में खड़ा किसान है और जो साधनहीन है। डॉ महापात्र ने पंडित दीनदयाल के व्यक्तित्व के विषय में भी जानकारी दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा के जिन किसानों को आज पुरुस्कार मिला है वो अन्य किसानों की प्रेरणा का स्रोत बनेंगे। उन्होंने स्वच्छता सप्ताह के विषय में भी जानकारी दी जो कि पंडित दीनदयाल जी के जन्मदिन से प्रारंभ होके गाँधी जयंती तक चलेगा। अपने संवाद में डॉ महापात्र ने आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता को सबसे अधिक महत्वपूर्ण बताया और कृषि के साथ प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन पर बल दिया। । उन्होंने आह्वाहन किया की यदि एकत्रित होकर प्रयास किया जाये तो सफलता निश्चित है इसके लिए उन्होंने किसानों की सफलता की कहानियो को डॉक्यूमेंट करने का भी सुझाव दिया।

Pandit Deen Dayal Upadhyay Antyoday Rashtriya Krishi Puruskar

Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary (Dare) & DG-ICAR and Dr. A.K. Singh, DDG (Ext) during the inauguration ceremony of Pt. Deendayal Upadhyay Antyoday Rashtriya Krishi Puruskar

Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary (Dare) & DG-ICAR addressed the audience during Award ceremony

Dr. T. Mohapatra, DG-ICAR, Dr. A.K. Singh, DDG (Ext), Dr. Ravinder Kaur, Director-IARI and Dr. J. P. Sharma, Joint Director (Ext) during the inauguration ceremony

Dr. J.P. Sharma, Joint Director (Ext), IARI welcomed Dr. A.K. Singh, DDG(Ext)-ICAR on the occasion of *Pandit DeenDayal Upadhyay Antyoday Krishi Puruskar*

Smt. Krishna Yadav received the first *Pandit DeenDayal Upadhyay Antyoday Krishi Puruskar.*

Dr. A.K. Singh, DDG (Ext) addressed the audience on the occasion of award ceremony

Dr. Ravinder Kaur, Director-IARI lighting the lamp on the occasion of *Pandit Deendayal Upadhyay Antyoday Krishi Puruskar*

Dr. Ravinder Kaur, Director-IARI addressed the farmers and audience during the award ceremony

Dr. T. Mohapatra, DG-ICAR, Dr. A.K. Singh, DDG (Ext)-ICAR, Dr. Ravinder Kaur, Director-ICAR, Dr. J.P. Sharma, Joint Director (Ext) and Dr. Anjani Kumar, In Charge- KVK, Gurgaon at the *Pandit Deen Dayal Upadhyay Antyoday Krishi Puruskar*